Dainik Bhaskar (Indore), 11th May 2023, Page – 02

टेक्नोलॉजी डे | अंतरिक्ष से जुड़ी प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग और एआई कंट्रोल सिस्टम बनाए

नई और उपयोगी तकनीक की खोज में इंदौर के 2 संस्थानों को 14 साल में मिले 31 पेटेंट्स

अभिषेक दुबे. इंदौर

आधुनिकता के दौर में हर काम तकनीक और मशीनों पर निर्भर हो रहा है। देश में कई संस्थान लगातार ऐसी तकनीक ईजाद कर रहे हैं जिससे आमजन का जीवन आसान हो। इन नई खोज में इंदौर का भी योगदान है। आईआईटी इंदौर और देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी को अब तक कुल 31 पेटेंट अवॉर्ड हो चुके हैं। इतने ही पेटेंट इन दोनों संस्थानों को साल के आखिर तक और मिलने की उम्मीद है। आईआईटी इंदौर अपने स्थापना वर्ष 2009 से अब तक 23 पेटेंट अपने नाम दर्ज करा चुका है। वहीं इन 14 साल में 74 रिसर्च पर पेटेंट के लिए आवेदन कर चुका है। कोरोना महामारी के समय भी यहां की टीम ने अपनी रिसर्च को जारी रख 10 से ज्यादा पेटेंट अपने नाम किए हैं। 2021 के अंत में देश के पहले हाई इलेक्ट्रॉन मोबिलिटी ट्रांजिस्टर बनाने में इस संस्था को सफलता मिली थी। डीएवीवी को अलग-अलग तकनीक पर रिसर्च करने के लिए 8 पेटेंट अवॉर्ड हो चुके हैं।

स्टूडेंट्स ने बनाई कम ऊर्जा से चलने वाली माइक्रो चिप

एसजीएसआईटीएस के प्रोफेसर प्रो. कृष्णकांत धाकड़ ने बताया कि इंदौर ने जो पेटेंट अपने नाम दर्ज कराए हैं उनमें किसी शोधार्थी ने कम ऊर्जा से चलने वाली ऐसी माइक्रो चिप को तैयार किया है जिसका उपयोग अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले रिसर्च यानों और उपग्रहों से लेकर धरती पर कम से कम ऊर्जा में चलने वाले उपकरणों में किया जा सकेगा। वहीं एक शोधार्थी ने इलेक्ट्रिक वाहनों को एडवांस बनाने में रिसर्च कर पेटेंट अपने नाम दर्ज कराया था। डीएवीवी के प्रोफेसर डॉ. चंदन गुप्ता ने बताया कि विवि को इस साल के अंत तक 15 पेटेंट और अवॉर्ड हो जाएंगे।

SGSITS के आईटी व इलेक्ट्रिकल विभाग के स्टूडेंट्स प्रोजेक्ट वर्क करते हुए।

हाल ही में आईआईटी, एसआईटीएस और आईईटी के स्टूडेंट्स की बनाई यह तकनीक हुई पेटेंट

1. इलेक्ट्रिक वाहनों में 5जी-6जी संचार को बेहतर करने के साथ ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में उपयोगी तकनीक बनी है आईआईटी में।
2. गाड़ियों को एआई और एमएल के द्वारा दिशा तय करने में मदद देने वाली तकनीक पर काम किया है जीएसआईटीएस स्टूडेंट्स ने। यहां एआई आधारित ऐसा सिस्टम बनाया है, जिसमें गाड़ियों को मशीन लर्निंग द्वारा दिशा तय करने में सहायता मिलेगी।
3. आईआईटी व डीएवीवी के प्रोफेसर ने फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक सिस्टम बनाया है। चोरी रोकने में मददगार यह तकनीक फिंगर प्रिंट को कॉपी करके होने वाले फर्जीवाड़े को रोकेगा।
4. आईईटी के स्टूडेंट ने रिसर्च कर मल्टी पार्टी बायनरी एक्सेस कंट्रोल सिस्टम पर पेटेंट लिया। इससे किसी भी सॉफ्टवेयर एक्सेस करने वाले समय को पांच सौ गुना कम किया जा सकेगा।